



विश्व संगीत
दिवस आज

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 21 जून 2026

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का
सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = (75.00%)	₹105614/-
22 कैरेट रेट = (91.60%)	₹128990/-
24 कैरेट रेट = (99.99%)	₹140805/-

सोने का भाव प्रति 1.0 ग्राम | 6S Extra

anand
Jewels
Pandri, Raipur

मिट्टी में संगीत, सांसों में संस्कृति...

पूर्वजों द्वारा स्थापित जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा मंडली आज भी बनी हुई है गांव की सांस्कृतिक धड़कन

चार पीढ़ियों से कला की अलख जगा रहा निचेकोहड़ा, हर घर में बसते हैं कलाकार

एनिश पुरी गोस्वामी ►► मोहला

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के अविभाजित क्षेत्र और वर्तमान मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में स्थित निचेकोहड़ा को कला ग्राम के नाम से जाना जाता है। इस गांव की मिट्टी ने अनेक ऐसे कलाकारों को जन्म दिया, जिन्होंने अपनी कला के दम पर प्रदेश ही नहीं, देश के विभिन्न हिस्सों में पहचान बनाई। पूर्वजों द्वारा स्थापित जय अंबे छत्तीसगढ़ी नाचा मंडली आज भी गांव की सांस्कृतिक धड़कन बनी हुई है। इस मंडली से जुड़े रहे स्वर्गीय भागवानी राम गंधर्व नाचा विधा के प्रसिद्ध कलाकार, आकाशवाणी और राष्ट्रपति सम्मान से अलंकृत कलाकार तथा रामायण के प्रभावशाली कथावाचक रहे। वहीं स्वर्गीय खेदुराम चंद्रवंशी, रामलाल चंद्रवंशी, जोहरीराम चंद्रवंशी और ►►शेष पेज 6 पर

कुछ गांव अपनी पहचान खेतों, जंगलों या बाजारों से बनाते हैं, लेकिन मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले का आदिवासी बहुल गांव निचेकोहड़ा अपनी पहचान सुरों और संस्कृति से गढ़ता है। लगभग एक हजार की आबादी वाले इस गांव में शायद ही कोई ऐसा घर हो, जहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कोई न कोई कला से जुड़ा न हो। कोई नाचा का कलाकार है, कोई रामधुनी का गायक, कोई वादक तो कोई मंच संचालक। रोजी-रोटी के लिए मजदूरी करने वाले इस गांव के लोगों ने चार पीढ़ियों से अपनी लोक संस्कृति और कलाओं को जीवित रखा है। यही वजह है कि निचेकोहड़ा आज केवल एक गांव नहीं, बल्कि लोककला और संगीत की जीवंत पाठशाला बन चुका है।



पढ़े नहीं पर संगीत में पारंगत

जय माँ सरस्वती रामधुनी मंडली-निचेकोहड़ा इसके गायक-श्री मान खिलानंद भरतनाज हैं, शिक्षा अर्जित नहीं की है लेकिन संगीत में पारंगत है। 24 सदस्यों के अपनी मंडली को संचालित है साथ ही जय माँ सरस्वती मानस मंडली के गायक हैं। इसी तरह त्रेतानाथ चंद्रवंशी की मंडली लगभग 9 सदस्यों से संचालित है, ग्राम में घोरदा रोड में राधा कृष्ण मंदिर के सामने नंदी भगवान का स्थापना की गई है। ग्राम-निचेकोहड़ा में एक ऐसा उद्घोषक मंच संचालक कलाकार-अपने पिता जी के नकशे कदम पर चलते क्षेत्र में जिनकी अलग पहचान है-सुजातिक निर्मलकर ग्राम-पंचायत निचेकोहड़ा के उपसरपंच मंच संचालक हैं।



सचिन अग्रवाल ►► राजनांदगांव

संस्कारधानी राजनांदगांव की सांस्कृतिक पहचान जब भी संगीत की बातों से सजी है, उसमें एक नाम हमेशा सम्मान के साथ लिया जाता है बैद्यनाथ हाजरा। वे ऐसे संगीत साधक थे जिन्होंने कभी प्रसिद्धि की लालसा नहीं की, बल्कि अपना पूरा जीवन संगीत की सेवा और नई पीढ़ी के

सुरों ने गढ़ी पीढ़ियां : हाजरा परिवार ने खामोशी में रचे संगीत के सितारे



पत्नी ने तैयार किए कई गायक

उनकी इस यात्रा में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुलभा हाजरा ने हर कदम पर साथ दिया। स्वयं एक प्रतिष्ठित संगीत परिवार से आने वाली सुलभा हाजरा ने पटना रेडियो स्टेशन में गायिका के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। विवाह के बाद उन्होंने पति के साथ संगीत सेवा को ही अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। हाजरा दंपति की मेहनत का परिणाम था कि उनके महाविद्यालय से निकले अनेक विद्यार्थी संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बनाई।

रेल्वे की छोड़ी नौकरी

रेल्वे की नौकरी उन्हें स्थिर जीवन दे सकती थी, लेकिन उनके भीतर का संगीत साधक उन्हें लगातार पुकारता रहा। अंततः उन्होंने नौकरी छोड़कर अपना जीवन पूरी तरह संगीत और माँ सरस्वती की साधना को समर्पित कर दिया। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक भूमि को कर्मभूमि बनाते हुए उन्होंने पहले गुजराती स्कूल और बाद में अपने निवास पर "शारदा कला संगीत महाविद्यालय" की स्थापना की।

तीन पीढ़ियों से कर रहे हैं संगीत साधना

चैतेन्द्र तिवारी/खैरागढ़। एक ओर



लेख खासतौर से युवा आधुनिक तड़क मडक और शोरगुल वाले संगीत मे रने हुए हैं वहीं दूसरी ओर सदियों पुरानी सांगितिक परंपरा मे महत्वपूर्ण स्थान रखने वाली और प्रभु श्री कृष्ण के अधरो पर लिपटने वाली बांसुरी की धुन को सालों से इंदलीक सिटी निवासी डॉ बिहारी तारम ने सहेजा हुआ है। दादा स्व केजूराम तारम और पिता स्व चतुर्गुज तारम को घर आंगन मे चिकारा, हरमोनियम, बांसुरी बजाते देख बिहारी तारम के मन मे बात्यावस्था मे ही संगीत की लहरिया कान के रास्ते दिलों दिमाग मे इस कदर बस गई कि आज बिहारी तारम उस पारिवारिक परंपरा को सहेजकर रखे हुए हैं।

संगीत की धुन में ही गुजर रहा जीवन



संतोष दुबे /राजनांदगांव। घर के बुजुर्गों से शुरू हुआ संगीत का सफर जारी है। दादा की विरासत परपोते भी सफल रहे हैं। शहर के चितपरिचित मुन्नालाल केमे का बचपन संगीत के धुनों में ही बीता, जब वे सेक्सोफोन बजाना शुरू करते हैं तो संगीत प्रेमी झूमने लगा जाते हैं। उनके परिवार के अधिकांश सदस्य वाद्य यंत्रों को बजाने में दक्षता रखता है। खानदानी कला को जीवंत रखे मुन्नालाल केमे बताते हैं कि चार पीढ़ियों से उनका परिवार इस कला को जारी रखे हुए हैं। उनके दादा बशीराल केमे रिदम बजाया करते थे, जिस देख व सुनकर उनके पिता धनीराम एवं चाचा रतनलाल, मदनलाल से इस परंपरा को आगे बढ़ाया।

बरेट परिवार की चार पीढ़ियों ने जीवित रखी हैं संगीत की सांस्कृतिक विरासत

विकास चौबे ►► बिलासपुर

रायगढ़ राजघराने के पद्मश्री पंडित रामलाल बरेट आज भी इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजे हुए हैं। भारतीय कला एवं शास्त्रीय नृत्य मे अपना अलग पहचान बनाने वाले पद्मश्री पंडित रामलाल बरेट को संगीत नाटक अकादमी की सर्वोच्च फेलोशिप अकादमी रत्न से सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान केवल एक कलाकार की उपलब्धि नहीं बल्कि उस परंपरा का सम्मान है जिसने कई दशकों से कथक की अनूठी शैली को जीवंत रखा है। खास बात यह है कि पंडित रामलाल बरेट रायगढ़ कथक घराने के एकमात्र जीवित दरबारी नर्तक हैं, जिन्होंने राजा चक्रधर सिंह की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके दादा जी, पिता जी भी कथक से जुड़े रहे और अब बेटे ►►शेष पेज 6 पर

रायगढ़ घराने की रखीं नींव

पंडित बरेट अग्रे 88 साल के हो चुके हैं। उन्होंने अपनी परंपरा को आगे बढ़ाने में अपने बेटे-बेटियों को भी विधिवत शिक्षा दी है। उन्होंने रायगढ़ कथक शैली को विकसित करने और कथक को घराने के रूप में स्थापित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उन्होंने रायगढ़ कथक शैली दी। उनके अथक प्रयास से रायगढ़ कथक शैली को रायगढ़ घराने के नाम से जाना जाता है। रायगढ़ घराना पूरी दुनिया में चौथे कथक घराने के रूप में प्रसिद्ध है। पंडित रामलाल को 1996 में भारत के माननीय राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भारत के राष्ट्रीय सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया है।

सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखना उद्देश्य

पंडित बरेट की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल मंच पर प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक परंपरा को जीवित रखना है। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए अनेक शिष्य आज देश और विदेश में रायगढ़ घराने की पहचान बने हुए हैं। उनके पुत्र और कथक नृत्याचार्य गुरु भूपेंद्र बरेट भी इसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इस हार्दिक



और डिजिटल दौर में भी युवक और युवतियां शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत को चुन रही हैं। पंडित बरेट के मुताबिक जितने भी कला के क्षेत्र हैं वो साधना है जो एक तरह से हमारी भारतीय संस्कृति को सामने लाता है।

दादा जी, पिता जी भी कथक से जुड़े रहे और अब बेटे भी नई पीढ़ी को प्रशिक्षण दे रहे



वाद्य यंत्र और गायन में भी महारथी

पंडित रामलाल बरेट नृत्य के अलावा तबला वादन और गायन में भी पारंगत हैं। तबला की शिक्षा अपने पिता पंडित कांतिकराम और पंडित जयलाल महाराज से ली और गायन की शिक्षा अपने पिता और उस्ताद हाजी मोहम्मद खां बांदावाले से ली है। पंडित रामलाल सन 1949 में लखनऊ ►►शेष पेज 6 पर

कई सम्मान प्राप्त कर चुके हैं पद्मश्री बरेट



वर्ष 2024 में पद्मश्री सम्मान प्राप्त कर चुके पंडित बरेट को इससे पहले संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, चक्रधर सम्मान और मध्यप्रदेश शासन का शिखर सम्मान भी मिल चुका है। अब अकादमी रत्न के रूप में यह सर्वोच्च सम्मान उनके छह दशक से अधिक लंबे कला-साधना के सफर को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगा। यह सम्मान केवल पंडित रामलाल बरेट का नहीं, बल्कि रायगढ़ कथक घराने, बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता का सम्मान है। राष्ट्रपति के हाथों मिलने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान आने वाली पीढ़ियों को भारतीय शास्त्रीय कला और परंपराओं के संरक्षण के लिए प्रेरणादायक रहेगा।

NEEM SOAP
WITH ANTIBACTERIAL & MOISTURISING PROPERTIES

नीम की प्राकृतिक शक्ति करे त्वचा की रक्षा

₹10/- 50gm

IKRISH
Wellness for all...

Neem Soap
Antibacterial & Moisturising Soap With Neem Extract

For Trade Enquiry:
+91 9818002790
+91 9826662459

Available on:

पतंजलि
अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
योग आह्वान

मूलतः हम सब भारतवासियों के पूर्वज योगी थे। काल के प्रवाह में भले ही अब मिन्न पंथों, जाति, वर्ग, समुदायों के रूप में दिख रहे हों। अतः अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ रहें तथा कृतघ्नता के पाप से बचें। सामूहिक रूप से योग करें एवं 10-20-50-100 लोगों को करावें एवं फोटो, रील आदि सोशल मीडिया पर शेयर करें। हर गांव, शहर, गली-मोहल्ला में योग के छोटे-छोटे कार्यक्रम करें। योग, आयुर्वेद व स्वदेशी से आत्मनिर्भर भारत का संकल्प करें व करवायें।

विरोध— योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का षडयंत्र पूर्वक भयंकर विरोध व विध्वंस करने में बहुत-सी आसुरी शक्तियां लगी हैं। राष्ट्रवादी सच्ची सनातनी आत्माओं को पूरी ताकत के साथ इस देवासुर संग्राम, धर्मयुद्ध में पतंजलि व पूजनीय स्वामी रामदेव जी का 100% साथ देना चाहिए। यतो धर्मः ततो जयः, सत्यमेव जयते।

लूट— ऑक्सफैम इंटरनेशनल से लेकर किसी भी AI (ए.आई.) टूल से सर्च करेंगे, तो पाएंगे कि मात्र विगत् 200-250 सालों में 100 ट्रिलियन से अधिक तो विदेशी कम्पनियों ने देश की आर्थिक लूट की है। महान भारत देश को एम.एन.सी. की आर्थिक गुलामी, मैकाले की शिक्षा की गुलामी, वैचारिक व सांस्कृतिक गुलामी में देश को धकेल कर पतन की पराकाष्ठा में पहुंचा दिया। 500-1000 साल पहले के स्वर्णिम काल की गौरवशाली स्मृति के साथ एक महान विकसित भारत बनाने के लिए हम सब संकल्पित होकर अखंड, प्रचंड पुरुषार्थ करें ताकि भारत की विरोधी शक्तियों को परास्त कर सकें और अपने पूर्वज ऋषि-ऋषिकाओं व शहीदों के सपनों का भारत बनायें।

पतंजलि का योगदान— पूजनीय योगऋषि स्वामी रामदेव जी व पूजनीय आचार्य श्री बालकृष्ण जी व पतंजलि के पुरुषार्थ से आज पूरे विश्व में योग-आयुर्वेद, स्वदेशी व सनातन संस्कृति का समग्र गौरव सम्पूर्ण विश्व में पहुंचा है। हरिद्वार से लेकर देश व दुनिया तक, इस महान सेवा में लाखों करोड़ों की चैरिटी पतंजलि ने की है। लगभग 10 हजार रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500+ रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय, भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि कैरियर एकेडमी, पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी (PCSA), पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम्, पतंजलि रिसर्च फाउण्डेशन, गौशाला, पतंजलि के राष्ट्रव्यापी संगठन में करोड़ों कार्यकर्ताओं की निष्काम सेवा व तप से आज एक कालजयी ऐतिहासिक सेवा चल रही है। सैकड़ों संन्यासियों का तप, लाखों कर्मयोगी भाई-बहनों की निष्काम सेवा एवं आप सभी करोड़ों देशवासियों का आशीर्वाद ही हमारा एकमात्र सम्बल है और हमारा संकल्प है कि हम अन्तिम श्वास तक भारत माता व मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व आहुत करते रहेंगे।

पतंजलि से जुड़कर हमारी सेवाओं का लाभ उठावें। योगत्व, रामत्व, कृष्णत्व तथा शिवत्व आदि को अपने स्वभाव व आचरण में अपनायें। क्योंकि सनातन धर्म हमारे आचरण का विषय है, मात्र प्रवचन का नहीं।

प्रतिदिन आस्था चैनल व इंडिया टीवी या यूट्यूब आदि से जुड़कर योग अवश्य करें।

आस्था
LIVE
प्रतिदिन सुबह 5:00 से 7:30 और रात 8:00 बजे

संस्कार
रोज रात 9:00 बजे

INDIA TV
रोज सुबह 8:00 बजे

YouTube
Swami Ramdev | Acharya Bal Krishna

पतंजलि के हेल्दी प्रोडक्ट्स खरीदने व रिसर्च एवं एविडेंस-बेस्ड मेडिसिन से रोगों को जड़ से मिटाने के लिए गुगल पर Patanjali Store Near Me (पतंजलि स्टोर नियर मी) सर्च करें। पतंजलि के सभी स्वदेशी प्रोडक्ट्स जैसे- गाय का घी, दन्त कान्ति, हनी, केश कान्ति, शर्बत, जूस आदि देश के सभी प्रमुख स्टोर्स पर उपलब्ध हैं। जहाँ उपलब्ध नहीं है वहाँ आप दुकानदार से पतंजलि के प्रोडक्ट्स रखने के लिए निवेदन करें।

पतंजलि की सभी प्रमुख संस्थानों की वेबसाइट पर जाकर अधिक जानकारी प्राप्त करें।

पतंजलि वेलनेस में आकर आरोग्य का लाभ प्राप्त करें, रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें—
8954-666-111

भारतीय शिक्षा बोर्ड व पतंजलि सिविल सर्विसेस एकेडमी हेतु सम्पर्क करें—
8954-555-999



Introducing

Raheja

AVANA

A NEW LEAGUE AT KACHNA

Inaugurating the experience centre of
Raipur's Most Ambitious Residential Canvas



Unlock Exclusive Inaugural Benefits | Today 21st June | 11am Onwards



92945 92945



PCGRERA061025001976
rera.cgstate.gov.in

Designed By Globally known
Ar.Andy Fisher
(Founder, AFW Singapore)

74 Boutique
Residential Spaces

टीम हरिभूमि आधा दर्जन जिलों में उतरी, पोकलेन जेसीबी, ट्रैक्टर मिले

टीम ने फोटो लेते वक्त लोकेशन और टाइमिंग सेट की, सुबह 6 बजे से दोपहर तक मिले बेखौफ तस्कर

सरकार की सख्ती के बावजूद खतरा उठा रहे तस्कर, क्योंकि मुनाफा हाई से तीन गुना तक, ऊपर तक सेंटिंग



बिलासपुर : रातभर चल रहा उत्खनन, दिन में भी बेखौफ खनन

शरट पाण्डेय >>> बिलासपुर

बिलासपुर जिले के निरतु, सेंदरी, पाटबाबा, मंगला और मोहरा-नगोई घाटों में प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध उत्खनन जारी है। स्थानीय लोगों के अनुसार रेत माफिया देर रात नदी में पहुंचते हैं और अल सुबह तक ट्रैक्टर तथा अन्य वाहनों में रेत भरकर निकल जाते हैं। प्रशासनिक कार्रवाई से बचने के लिए कई जगहों पर मशीनों के बजाय मजदूरों से हाथों से रेत निकलवाई जा रही है। हाल ही में स्पेशल टीम द्वारा मशीनों और वाहन जब्त किए जाने के बावजूद गतिविधियां बंद नहीं हुई हैं। रेत की कमी का हवाला देकर बाजार में कीमतें भी बढ़ा दी गई हैं और उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

कड़ी चौकसी कार्रवाई के निर्देश

शासन के निर्देशानुसार 15 जून से रेत की वैध खुदाई बंद की जा चुकी है। रेत घाटों पर किसी भी तरह की खुदाई रोकने का निर्देश दिया गया है। विभाग ने औचक निरीक्षण के लिए कई टीमों भी गठित की हैं जो शतक निगरानी कर रही हैं।

-किशोर कुमार गोलघाटे , उपसंचालक खनिज विभाग

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

मानसून के साथ प्रदेश में रेत उत्खनन पर 10 जून से प्रतिबंध लागू हो चुका है, लेकिन नदियों के घाटों पर हालात कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। बिलासपुर, रायपुर, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, सरगुजा और एमसीबी में रेत माफिया रात के अंधेरे में बेखौफ होकर नदियों का सीना चीर रहे हैं। कहीं पोकलेन और जेसीबी मशीनें चल रही हैं तो कहीं मजदूरों के सहारे रेत निकाली जा रही है। हाल ही में रेत कारोबार को लेकर हुई हिंसक वारदात और प्रशासनिक कार्रवाइयों के बावजूद अवैध उत्खनन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, प्रतिबंध का असर धरातल पर दिखाई नहीं पड़ रहा है।

रेत का खतरनाक खेल... तीन की हत्या के बाद भी नहीं मान रहे तस्कर

रेत का अर्थशास्त्र...लागत 8000, सामान्य दिनों में हाईवा का रेट 16000, जून के बाद 36 हजार तक

लक्ष्मण लेखवानी >>> रायपुर

छत्तीसगढ़ में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लागू है, लेकिन रेत माफियाओं की गतिविधियां थमने के बजाय और बेखौफ होती दिख रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह रेत कारोबार का वह अर्थशास्त्र है, जिसमें लाख रुपए तक का जुमाना भी कारोबारियों के लिए मामूली लागत भर है। एक ओर अवैध उत्खनन से प्रति हाईवा हजारों रुपए का अतिरिक्त मुनाफा कमाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कार्रवाई के बाद वाहन और मशीनें आसानी से छूट जाती हैं। यही कारण है कि जल्दी, जुमाना >>>शेष पेज 6 पर

खनिज सचिव पी. दयानंद की जीरो टालरेंस की नीति



खनिज साधन विभाग के सचिव पी. दयानंद अवैध रेत खनन को लेकर जीरो टालरेंस की नीति अपनाते रहे हैं। उन्होंने 11 जिलों के करैक्टरों की बैठक लेकर कहा था कि रेत के अवैध खनन व परिवहन को रोकने के लिए जिला स्तर पर गठित टास्क फोर्स के माध्यम से निरंतर निगरानी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने

कहा कि खनिज राजस्व की हानि रोकना शासन की प्राथमिकता है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनके निर्देश के बाद कई जिलों में लगातार छापामार कार्रवाई की गई। रायपुर, बिलासपुर समेत कई जिलों में दर्जनों जेसीबी, हाईवा और ट्रैक्टर-ट्राली जब्त किए गए।

लखना में रात 3 बजे से अवैध रेत उत्खनन का खेल



श्यामकिशोर शर्मा >>> नवापारा-राजिम

नवापारा शहर से मात्र 3 किमी दूर महानदी के घाट लखना में रात 3 बजे से अवैध रेत उत्खनन का खेल शुरू हो जाता है, जो आमतौर पर सूर्योदय के साथ ही बंद भी हो जाता है। यह ताजा फोटो शनिवार को उपलब्ध कराया गया है जिसमें स्पष्ट रूप से डंप किया हुआ रेत नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि प्रतिदिन 40 ट्रैक्टर महानदी से रेत निकाल ली जाती है।

खबर संक्षेप

निष्क्रिय वॉलेट शुल्क का बैंक खाते, यूपीआई पर असर नहीं

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान मंच फोनपे ने स्पष्ट किया है कि निष्क्रिय पड़े वॉलेट पर लगने वाले 'इनएक्टिविटी शुल्क' का उपभोक्ताओं के लिंक किए गए बैंक खातों या यूपीआई लेनदेन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने यह स्पष्टीकरण कुछ ग्राहकों को भेजी गई सूचनाओं के बाद जारी किया, जिनसे डिजिटल वॉलेट और यूपीआई के संचालन को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। यह शुल्क केवल फोनपे वॉलेट पर लागू होता है।

खाई में गिरने के बाद कार में आग, दो जिंदा जले चंपावत। उत्तराखंड में चंपावत जिले के लोहाघाट क्षेत्र में एक कार के खाई में गिरने के बाद उसमें आग लग गयी जिससे उसमें जलकर दो व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गए। लोहाघाट की उप जिलाधिकारी नीतू डोंगर ने बताया कि दुर्घटना टनकपुर-पिथौरागढ़ बारहमासी सड़क के बंतेली क्षेत्र में शुक्रवार को हुई। हालांकि, बलदेव और राजेंद्र कार में ही फंस गए और दोनों की उसमें जिंदा शूलस कर मौत हो गई।

प्रसाद लेने पहुंचे थे श्रद्धालु

हनुमान मंदिर की छत गिरी, सात की मौत



छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र में परभणी जिले के यशवाड़ी गांव में शनिवार दोपहर हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परभणी हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया। छत्रपति संभाजीनगर से करीब 190 किलोमीटर दूर यशवाड़ी गांव मानवत मार्ग पर स्थित है।

सीसीटीवी फुटेज में दिखा हादसा

हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मंदिर के ठीक सामने सभागंडप बनाने का काम चल रहा था। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बाय और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के कारण मंदिर में भीड़ जमादा थी।

तगड़ी सुरक्षा के बीच आज नीट-यूजी का री-एग्जाम

परीक्षा से एक दिन पहले देशभर में माॅकड्रिल

हरिभूमि न्यूज >>> नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को होगी। परीक्षा को सुचारू, सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने के प्रयासों के तहत शनिवार को देशभर में 'माॅक ड्रिल' की गई। राष्ट्रीय राजधानी स्थित राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के कार्यालय में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई। प्रश्नपत्र लोक होने के आरोपों के बाद मूल परीक्षा रद्द किए जाने के करीब सात सप्ताह बाद रविवार को 22.79 लाख से अधिक अभ्यर्थी पुनर्परीक्षा में शामिल होंगे। प्रश्नपत्र लीक के आरोपों को लेकर देशभर में आक्रोश पैदा हुआ, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए और मामला अदालतों तक पहुंचा।

दो लाख से अधिक सुरक्षा कर्मी

एनटीए ने बताया कि पुनर्परीक्षा को सुचारू और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों समेत दो लाख से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा के कड़े उपायों के तहत प्रश्नपत्र पहुंचाने के लिए पहली बार नरतली वायुसेना की मदद ली जा रही है।



कई राज्यों में विशेष सहायता

कई राज्यों ने अभ्यर्थियों के लिए सहायता उपायों की घोषणा भी की है। इनमें यात्रा संबंधी तनाव कम करने और परीक्षा केंद्रों तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकारी बसों में मुफ्त परिवहन की सुविधा शामिल है। राष्ट्रीय आर्युर्विज्ञान आयोग ने अपने अधीन आने वाले सभी मेडिकल कॉलेज और संस्थानों की असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर 20 और 21 जून को छात्रों को छुट्टी नहीं देने का निर्देश दिया है। यह कदम उन घटनाओं के मद्देनजर उठाया गया है, जिनमें मेडिकल कॉलेजों के कुछ छात्र परीक्षा की शुविता और विश्वसनीयता प्रभावित कर सकने वाली गतिविधियों में शामिल पाए गए थे।

नागपुर के छात्र को अबू धाबी का केंद्र

नीट-यूजी की 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा में शामिल हो रहे एक स्थानीय विद्यार्थी के परिवार ने दवा किया कि उम्मीदवार को यूएई के अबू धाबी में परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया था, जबकि एनटीए ने कहा कि उम्मीदवार ने खुद उस परीक्षा केंद्र का चयन किया था, लेकिन अब उसके अनुरोध पर नागपुर में केंद्र दे दिया गया है। एनटीए ने कहा कि उम्मीदवार ने अपने लॉगिन विवरण का उपयोग करके परीक्षा केंद्र बदलकर अबू धाबी किया था। छात्र, अब्दुल्ला तालिब के पिता डॉ. मोहम्मद तालिब ने बताया कि उनके बेटे ने परीक्षा के लिए नागपुर, वर्धा और भंडारा केंद्रों को प्राथमिकता दी थी।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 16 'फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन' (एफडीसी) दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा कि इन दवाओं के इस्तेमाल का कोई 'चिकित्सीय



फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन वाली 16 दवाओं पर लगाया प्रतिबंध

औचिक्य' नहीं है और संभावित जोखिमों की तुलना में इनका लगातार इस्तेमाल लाभकारी नहीं माना गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि यह कदम जनस्वास्थ्य >>>शेष पेज 6 पर

क्योंकि हम ऐसे ही हैं...

हाईवे पर मदद मांगने लगाए गए इमरजेंसी बॉक्स के बटन तक उखाड़े, स्पीकर गायब

ललित राठोड़ >>> रायपुर

नेशनल हाईवे पर सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटना जैसी आपात स्थिति में तत्काल मदद पहुंचाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लगाए गए इमरजेंसी बॉक्स (आपातकालीन कॉलिंग बॉक्स) अब खुद पीड़ित हैं। रायपुर से बिलासपुर और रायपुर से आरंग की ओर जाने वाले हाईवे पर लगे ये इमरजेंसी बॉक्स देखरेख के अभाव में पूरी >>>शेष पेज 6 पर



अफसरों से सीधे बात करने की सुविधा दप

इन बॉक्स की खासियत यह थी कि आपातकालीन स्थिति में यात्री केवल एक बटन दबाकर सीधे एनएचआई के कंट्रोल रूम या संबंधित अफसरों से बात कर सकते थे और अपनी लोकेशन बताकर मदद मांग सकते थे। लेकिन यह कॉलिंग सुविधा पूरी तरह से बंद हो चुकी है। करोड़ों रुपये की लागत से लगा यह इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम अब हाईवे पर महज एक दांचा बनकर रह गया है।

अब मोबाइल से टोल-फ्री नंबर पर कॉल ही एकमात्र विकल्प

सिस्टम के फेल होने के कारण हाईवे पर सफर करने वालों के लिए संकट बढ़ गया है। हालांकि, राहत की बात केवल इतनी है कि एनएचआई द्वारा हाईवे पर जगह-जगह टोल-फ्री नंबरों के बोर्ड लगाए गए हैं। अब किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना के वक्त यात्रियों को हाईवे पर इन बॉक्स के बजाय अपने मोबाइल फोन से टोल-फ्री नंबर पर कॉल करके ही मदद मांगनी पड़ रही है। आपातकालीन उपकरणों की इस बहालगी ने हाईवे पर तत्काल में मदद नहीं मिल पाएगी।



120+ UG & PG Programs Admissions

Application Deadline

26th June 2026

for more information, Visit : apply.gitam.edu



42% Students on scholarships

Bengaluru

Hyderabad

Visakhapatnam

**88849 84000**



SCAN TO APPLY

देश की राजनीति में उठापटक का दौर जारी है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है। विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। 'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है। दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ), जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ ली है। यह स्थिति बेहद निराश करने वाली है। इसके सभी प्रावधानों पर पुनर्विचार की भी जरूरत है और कुछ कठोर व अलोकप्रिय निर्णय की भी शिद्दत से दरकार है। आम जनता दलबदल नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि इस दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा? *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

दलबदल कानून पर पुनर्विचार की दरकार



विश्लेषण

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ स्तंभकार

भारतीय राजनीति के इतिहास में 1960 और 70 के दशक को राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादिता के एक बेहद चिंताजनक दौर के रूप में याद किया जाता है। इसी राजनीतिक अनैतिकता पर अंकुश लगाने और चुनी हुई सरकारों को स्थिरता प्रदान करने के महान उद्देश्य से वर्ष 1985 में संविधान के 92वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में 'दलबदल विरोधी कानून' कहा जाता है। इसका मुख्य लक्ष्य विधायकों और सांसदों को व्यक्तिगत लाभ या मंत्री पद के लालच में अपनी पार्टी बदलने से रोकना था। अगर हम पिछले कुछ वर्षों के राजनीतिक घटनाक्रमों और सत्ता परिवर्तन के खेल पर गहराई से नजर डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे चतुर राजनेताओं ने इस कानून की अचूक काट खोज ली है।

यह कानून मूल रूप से 'फुटकर' यानी एक या दो विधायकों के दलबदल को तो सख्ती से रोकता है, लेकिन 'थोक' दलबदल को एक तरह से कानूनी और संवैधानिक मान्यता दे देता है। कानून के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी राजनीतिक दल के दो-तिहाई सदस्य एक साथ टूटकर किसी अन्य दल में विलय करते हैं, तो उन पर दलबध्दल विरोधी कानून का चाबुक नहीं चलता। इसी 'विलय' के प्रावधान का अनुचित फायदा उठाकर कई राज्यों में रातों-रात पूरे के पूरे विधायक दल दूसरी पार्टी में शामिल हो गए और यह सख्त दिखने वाला कानून महज एक मूकदर्शक बना रहा।

विस सदस्यता से इस्तीफा

हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में एक नया और अधिक चिंताजनक 'मॉडल' सामने आया है, जिसे 'इस्तीफा और पुनः चुनाव' का मॉडल कहा जा सकता है। इस राजनीतिक चाल के तहत सत्ता पक्ष के असंतुष्ट विधायक दलबदल करने के बजाय सीधे अपनी विधानसभा सदस्यता से ही इस्तीफा दे देते हैं। इससे सदन में बहुमत का जाड़ई आंकड़ा गिर जाता है और सत्तारूढ़ सरकार अल्पमत में आकर भ्रमरा कर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद ये बागी विधायक दूसरी पार्टी के टिकट पर शान से उपचुनाव लड़कर वापस आ जाते



खास बातें

- अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस लिया जाए क्योंकि उनका पद राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता।
- यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाए, या 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' गठित हो

हैं और अक्सर नई सरकार में महत्वपूर्ण मंत्री पद भी प्राप्त कर लेते हैं। हालिया राजनीतिक घटनाक्रम इस बात के ज्वलंत उदाहरण हैं कि कैसे इस कानून की मूल भावना और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की खुलेआम धजियां उड़ाई गई हैं।

विस या लोस अध्यक्ष की भूमिका

इस कानून को कमजोर, निष्प्रभावी और काफी हद तक अप्रासंगिक बनाने में एक बहुत बड़ा और विवादास्पद योगदान विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका का भी रहा है। दलबदल कानून के तहत किसी भी सदस्य को अयोग्य घोषित करने का अंतिम और एकाधिकार पीठासीन अधिकारी यानी अध्यक्ष के पास सुरक्षित होता है। हमारी विधायिकाएं जो कि स्वतंत्र बहस, वैचारिक विमर्श और जन-आकांक्षाओं के जीवंत मंच होनी चाहिए थीं, वे अब केवल राजनीतिक दलों के संख्याबल का मूक

आवश्यकता है, जिसके तहत कुछ बुनियादी और कड़े सुधार किए जाने चाहिए। सबसे पहला कदम यह होना चाहिए कि अयोग्यता का निर्णय लेने का अधिकार विधानसभा या लोकसभा अध्यक्ष से वापस ले लिया जाए, क्योंकि उनका पद अक्सर राजनीतिक दबावों से मुक्त नहीं होता। इसके बजाय, यह अधिकार चुनाव आयोग की बाध्यकारी सलाह पर सीधे राष्ट्रपति या राज्यपाल को दिया जाना चाहिए, या फिर इसके लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त 'दलबदल निरोधी न्यायाधिकरण' का गठन किया जाना चाहिए, जो अधिकतम तीन महीने के भीतर अपना अंतिम फैसला सुनाए।

कानून की कमियों को दूर करें

इस्तीफे के खेल को रोकने के लिए यह कड़ा प्रावधान होना चाहिए कि यदि कोई विधायक या सांसद दलबदल के इरादे से अपनी सदस्यता से इस्तीफा देता है या अयोग्य घोषित होता है, तो उस पर उस सदन के शेष कार्यकाल तक कोई भी चुनाव लड़ने और किसी भी सार्वजनिक या लाभ के पद को धारण करने पर सख्त और पूर्ण प्रतिबंध होना चाहिए। इसलिए अब वह समय आ गया है कि हमारी संसद, चुनाव आयोग और न्यायपालिका एकजुट होकर इस कानून की तमाम कमियों को दूर करें।

अब जरूरत के मुताबिक बदल रही विचारधारा



सियासत

डॉ. विजेंद्र कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

लोकतंत्र की मूल आत्मा उस विश्वास में बसती है, जो एक मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते समय मतपेटी में डालता है। यह केवल एक वोट नहीं होता, बल्कि एक वैचारिक सहमति, भविष्य की उम्मीद और एक सामाजिक अनुबंध होता है, लेकिन समकालीन राजनीति के पटल पर जब हम दृष्टि डालते हैं, तो यह पवित्र अनुबंध एक बाजार सौदे में तब्दील होता नजर आता है। आज के राजनीतिक परिदृश्य में 'दलबदल' एक ऐसा संक्रामक रोग बन चुका है, जिसने लोकतांत्रिक नैतिकता को हाशिए पर धकेल दिया है।

विचारधारा, जो कभी राजनीति का दिशा-सूचक यंत्र हुआ करती थी, अब एक ऐसा आवरण बन गई है जिसे सत्ता की सुविधानुसार कभी भी ओढ़ा और उतारा जा सकता है। जब दलबदल की इस प्रवृत्ति के साथ 'लालच' का घातक कॉकटेल मिल जाता है, तो जनमत का सीधा-सीधा अपहरण होता है। ऐसे में यह सवाल पूरी शिद्दत के साथ उठता है कि आखिर नैतिकता के बिना राजनीति का स्वरूप क्या रह जाता है और लोक-कल्याण का दावा करने वाले दल अपने ही बुने हुए पाखंड के जाल में कब तक सुरक्षित रह सकते हैं? दलबदल की इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में यदि कोई एक तत्व निर्विवाद रूप से स्थापित है तो वह है लालच। यह लालच केवल धन का नहीं है; यह सत्ता के गलियारों में बने रहने का लालच है, मंत्री पद की लालसा है और कई बार अपनी पुरानी लालितियों या भ्रष्टाचार के मामलों पर पर्दा डालने के लिए 'सुरक्षित पनाहाग' खोजने की विवशता भरा स्वार्थ है। जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है। इसे हम राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे परिष्कृत और

'कानूनी' रूप कह सकते हैं, जहां प्रतिनिधि स्वयं को एक उत्पाद के रूप में सत्ता के बाजार में नीलाम कर देता है। इस समूचे घटनाक्रम में सबसे अधिक हास्यास्पद और विडंबनापूर्ण स्थिति राजनीतिक दलों के उस दोहरे मापदंड की है, जिसे हम 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा दलबदल गलत' के रूप में देखते हैं। जब किसी पार्टी के विधायक या सांसद टूटकर किसी अन्य दल में जाते हैं, तो वह पार्टी इसे 'लोकतंत्र की हत्या', 'जनदास का अपमान' और 'धनबल का नंगा नाच' करार देती है।

उनके नेता टीवी चैनलों पर बैठकर नैतिकता

दल-बदल विरोधी कानून (एंटी-डिफेक्शन लॉ) जो इसी बुराई को रोकने के लिए लाया गया था, आज के चतुर राजनेताओं ने उसकी भी कानूनी काट ढूंढ ली है। अब ज्वलंत प्रश्न यह है कि यह दोहरी धारणा और अवसरवाद का यह नंगा खेल आखिर कब तक चलेगा?

इस प्रश्न का उत्तर सीधे तौर पर जन-चेतना और नागरिक उत्तरदायित्व में छिपा है। जब तक दलबदल करने वाले नेताओं को उनके पाले बदलने के बाद होने वाले उप-चुनावों में जनता द्वारा फिर से चुनकर सदन में भेजा जाता रहेगा, तब तक उनका दुस्साहस और सत्ता का यह लालच



जब कोई जन-प्रतिनिधि अपने दल को छोड़कर किसी अन्य दल का दामन थामता है, तो उसके पीछे कोई वैचारिक हृदय परिवर्तन या जनता की सेवा करने का कोई नया महान उद्देश्य कतई नहीं होता। इसके पीछे सिर्फ और सिर्फ व्यक्तिगत लाभ का गणित काम कर रहा होता है।

की लंबी-लंबी दुहाई देते हैं और इसे एक अक्षम्य राजनीतिक अपराध बताते हैं। लेकिन जब वही पार्टी किसी दूसरे दल के असंतुष्ट विधायकों को अपने पाले में खींचती है, तो उनकी शब्दावली रातों-रात बदल जाती है। मामों उस राजनीतिक दल का कार्यालय कोई पवित्र स्नानघर हो, जहां प्रवेश करते ही सारे राजनीतिक और नैतिक पाप धुल जाते हों और व्यक्ति एक नए बेदाग अवतार में जन्म ले लेता हो।

'आया राम, गया राम' की संस्कृति से शुरू हुआ यह सफर आज थोक में दलबदल करने के आधुनिक 'रिसॉर्ट पॉलिटिक्स' तक पहुंच चुका है।

फलता-फूलता रहेगा। जब 'मेरा दलबदल ठीक और तुम्हारा गलत' की इस खोखली और पाखंडी दलील को आम जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और दलबदल नेताओं को मतदान के माध्यम से यह कड़ा अहसास करा देगी कि वैचारिक निष्ठा से किया गया कोई भी समझौता उनके राजनीतिक अस्तित्व को समाप्त कर सकता है, केवल तभी इस अनैतिक खेल पर स्थायी विराम लगेगा। बदलाव की वास्तविक शुरुआत इसी चेतना से होगी कि गलत हमेशा गलत होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष द्वारा किया गया हो या विपक्ष द्वारा, 'मेरे' द्वारा किया गया हो या 'तुम्हारे' द्वारा।

विपक्ष की निष्क्रियता से एनडीए मुखर



मंथन

चरणजीत चरण

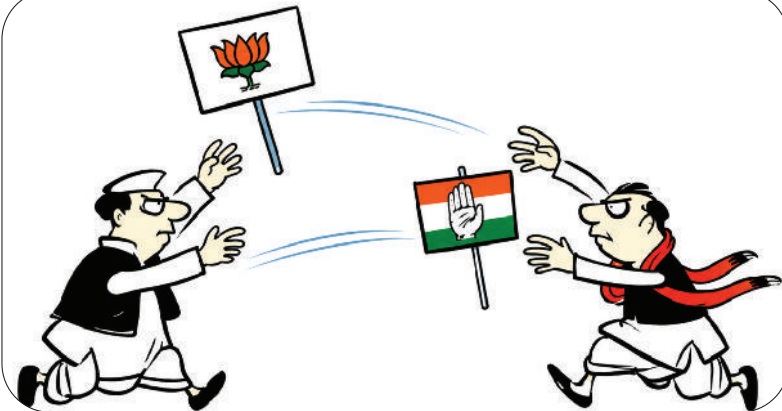
स्वतंत्र पत्रकार

बारह वर्षों के शासन के बावजूद आज एनडीए भारतीय राजनीति में जिस तरह से मुखर और आक्रामक रहता है वह दुनिया के तमाम राजनीतिक पंडितों के लिए शोध का विषय है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए एक चुनाव के बाद पांच साल बाद दूसरे चुनाव में जाना बहुत ही चूनीतीपूर्ण कार्य होता है। पूरे न किए गए वादों का दबाव इतना अधिक होता है कि अधिकतर राजनीतिक दल इस दलदल में धंस जाते हैं। बावजूद इसके तमाम विरोधों के होते हुए एनडीए के नेताओं के चेहरे पर कोई शिकन नजर नहीं आती है। वे हर नए चुनाव में पहले से अधिक ऊर्जा के साथ जाते हैं और चुनाव जीतते हैं।

इस सारे विचार का मंथन अगर खुले मन से किया जाए तो बहुत से ऐसे बिंदु हैं जो एनडीए को साल दर साल मजबूत बनाते हैं। विपक्ष के पास किसी निश्चित विचारधारा का न होना विपक्षी दलों की सबसे बड़ी कमजोरी है। जाति, धर्म, राष्ट्र, विदेश नीति, युद्ध नीति, पड़ोसी देशों से सम्बन्ध आदि मुद्दों पर विपक्ष हमेशा बंट हुआ रहता है। इसी का फायदा एनडीए उठाता है, जैसे हिन्दू धर्म के मुद्दे पर विपक्ष का रुख हमेशा खामोश हो जाने का रहता है। जबकि एनडीए के सभी दल अपने सभी विवादों को भूलकर एक लाइन पर रहते हैं। राम मंदिर जैसे बहुसंख्यक समाज के मुद्दे पर एनडीए के सभी दल खुलकर हिंदू मत के साथ रहते हैं। विपक्ष के लोगों को मत भिन्नता पूरे देश ने महसूस की है। एक समय तक एनडीए के प्रमुख घटक के रूप में रही शिव सेना जहां राम मंदिर के समर्थन में रही, वहीं बाकी दल इसके विरोध में खड़े नजर आए।

राहुल गांधी द्वारा सावकर को माफ़ीवीर कहने पर सावकर की प्रचंड समर्थक शिव सेना कभी खुलकर इसका विरोध नहीं करती। परिणाम स्वरूप आज शिव सेना पूर्णतया खत्म होने के कगार पर है। सनातन को डेंगू मलेरिया कहने वाले डीएमके के नेता जब बाकी विपक्षी दलों के साथ मंच साझा करते हैं तो एनडीए को ये कहने का

मौका मिलता है कि ये सब हिन्दू धर्म विरोधी हैं और पूरा एनडीए इस विचार को देश की जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है, जिसका परिणाम चुनाव में देखने को मिलता है। अपने बारह वर्षों के शासनकाल में मोदी कभी थके हुए, हारे हुए या अपनी नीतियों को लेकर अस्पष्ट नजर नहीं आए। वह चाहें देश की हो या विदेश की, उन्होंने हर जगह अपनी बात पूरी दृढ़ता के साथ रखी, जबकि विपक्ष के सभी नेता बार-बार अपने बयानों से पीछे हटते या बयानों को बदलते नजर आते हैं। उनके एजेंडे में किसी एक मूल विचार धारा का न होना भी विपक्ष के भटकाव का मुख्य कारण है। वहीं,



इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी सशक्त नेता नहीं है, जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी।

एनडीए अपने राष्ट्रवाद और हिंदू धर्म के मुद्दे पर हमेशा अडिग रहा है। राष्ट्रवाद और हिंदू एकता, सीमाओं की सुरक्षा, घुसपैठ को पूर्णतया रोकना, एनडीए के प्रमुख मुद्दे हैं। बाकी मुद्दे राज्य की जरूरतों के अनुसार बदलते रहते हैं। इसे मोदी का सौभाग्य कहिए या विपक्ष का दुर्भाग्य कि पूरे विपक्ष के पास ऐसा एक भी ऐसा सशक्त नेता नहीं है जिसका नेतृत्व करिश्माई कहा जा सके। जैसे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने दस वर्षों तक राज्य की सत्ता बचाकर रखी, लेकिन वह केंद्र में एनडीए का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर उन्हें भी दिल्ली की सत्ता गंवानी पड़ी। उड़ीसा,

थे, नहीं मिले। निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि देश के संवेदनशील मुद्दों पर विपक्ष का एक मत एक विचार न होना, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग सुरों में बोलना, देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों के मुद्दों की विदेश में आलोचना करना। जनता के बीच जनहित के मुद्दों को उठाने के बजाय वोट चोरी या चुनाव चोरी जैसे अनर्गल प्रचार से अपनी नाकामी को ढकने की कोशिश करना, ये वो सारे कारण हैं जिन्हें भारतीय मतदाता अब सुनना नहीं चाहता। कुल मिलाकर एनडीए की आक्रामकता का एक विशेष कारण विपक्ष की निष्क्रियता है।

कांग्रेस पर भरोसा नहीं कर पा रहे क्षेत्रीय दल



असमंजस

डॉ. पवन कुमार शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

वर्तमान भारतीय राजनीति एक अत्यंत दिलचस्प और जटिल दौर से गुजर रही है। एक तरफ जहां केंद्र में बीजेपी का मजबूत और आक्रामक नेतृत्व है, वहीं दूसरी तरफ विपक्ष एकजुट होकर अपनी जमीनी बचाने के संघर्ष में है। इस परिदृश्य में दो अहम खाल राजनीति की समझ रखने वाले हर व्यक्ति को मथते हैं- पहला, क्या क्षेत्रीय दलों को 'दलबदल' या अपनी सरकारें गिरने के डर से बचने के लिए देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ चले जाना चाहिए? दूसरा, तमाम मजबूत क्षेत्रीय क्षप कांग्रेस के साथ पूरी तरह हाथ मिलाते से हिचकते क्यों हैं? इस कसमकश को एम. के. स्टालिन, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी के राजनीतिक दृष्टिकोण और उनके

राज्यों के परिपेक्ष्य में बेहद बारीकी से समझा जा सकता है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम. के. स्टालिन का कांग्रेस के साथ रिश्ता वर्तमान राजनीति में सबसे सहज और स्थिर माना जाता है। इसका स्पष्ट कारण है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस बहुत पहले अपनी मुख्य भूमिका खो चुकी है। वहां सीधा मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच रहता है। चूंकि कांग्रेस वहां द्रमुक के लिए कोई संगठनात्मक खतरा नहीं है, इसलिए स्टालिन को कांग्रेस को सोट देने या उनके साथ मंच साझा करने में कोई हिचक नहीं होती। वहां के विधायकों में वैचारिक रूप से दलबदल करना बेहद कठिन है। स्टालिन के लिए कांग्रेस के साथ जाना दलबदल से बचने की मजबूरी नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी मोर्चे को मजबूत करने की एक सौवी-समझौती रणनीति है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार भारतीय राजनीति में 'दलबदल' और 'पलटोमार्ग' राजनीति के सबसे बड़े प्रतीक माने जाते हैं। नीतीश की सबसे बड़ी बुद्धिया यह है कि बिहार में कांग्रेस का पारंपरिक सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल है। जब भी नीतीश कांग्रेस या 'इंडिया' गठबंधन के करीब जाते हैं तो बिहार में तेजस्वी यादव का कद बढ़ने लगता है जो नीतीश की पार्टी के राजनीतिक वजूद के लिए सीधा खरारा है। नीतीश ने खुद को बचाने के लिए कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा का सहारा लिया। वर्तमान परिपेक्ष्य में, नीतीश को यह भली-भांति पता है कि कांग्रेस के साथ जाने से उनके विधायकों को दलबदल से सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं मिलती क्योंकि कांग्रेस खुद कई राज्यों में अपने विधायक बचाने में नाकाम रही है। इसलिए वे दलबदल से बचने के लिए वैचारिक स्थिरता के बजाय सत्ता के संतुलन यानी कभी इधर, कभी उधर का फर्मुला अपनाते हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की राजनीति का उद्देश्य ही कांग्रेस के विरोध और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की कोश से हुआ था। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पूरी तरह मटियामेट करके अपनी सत्ता बनाई। अगर केजरीवाल राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बहुत गहरे जुड़ते हैं तो राज्यों में उनके कार्यकर्ताओं के सामने वैचारिक संकट खड़ा हो जाएगा कि जिस कांग्रेस को हराकर वे सत्ता में आए, उसी के साथ गठबंधन कैसे करें? कांग्रेस खुद दिल्ली और पंजाब में 'आप' की जमीन वापस छीनने की ताक में रहती है। इसलिए केजरीवाल मजबूतों में लोकसभा चुनाव जैसे बड़े मंचों पर तो कांग्रेस के साथ दिखते हैं, लेकिन राज्यों के स्तर पर अपनी दूरी बनाए रखते हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी कांग्रेस से हिचक का सबसे खरोहरा हैं। उनका मानना है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को हरावे की ताकत सिर्फ टीएमसी के पास है। वहां कांग्रेस और लेफ्ट मिलकर टीएमसी की खिलाफत लड़ते हैं। ममता किसी भी कोमत पर बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को 'स्पेस' देकर दोबारा जीवित नहीं करना चाहती। ममता बनर्जी ने बंगाल में दलबदल विरोधी कानून और अपने कड़े प्रशासनिक नियंत्रण के दम पर पार्टी को लंबे समय तक सभाले रखा। टीएमसी में टूट और बिखराव के बावजूद ममता बनर्जी को डर है कि कांग्रेस के साथ आने से राज्य में अल्पसंख्यक वोटों का बंटवारा हो सकता है जिससे बीजेपी को सीधा फायदा होगा। क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से हिचक के तीन मुख्य कारण हैं। अधिकांश क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस के कमजोर होने के बाद हुआ है जैसे टीएमसी और आप। अगर ये दल कांग्रेस को अपने राज्य में दोबारा पर प्तारने का मौका देंगे तो इनका खुद का जनाधार खतरे में पड़ जाएगा। दूसरा, क्षेत्रीय दलों की लगता है कि कांग्रेस सीधे मुकाबले वाले राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखण्ड में बीजेपी को उस मजबूती से नहीं हरा पाती जितने प्रभावी ढंग से क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में भाजपा को रोक लेते हैं। तीसरा, क्षेत्रीय क्षप अपने राज्यों के 'किंग' हैं। वे कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के तहत 'जुनियर पार्टनर' बनकर काम करने में अरुहज महसूस करते हैं। भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगवत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता। क्षेत्रीय दलों के पास दलबदल से बचने का एकमात्र तरीका अपनी सांगठनिक एकजुटता, मजबूत स्थानीय कैडर और जनता के बीच अपनी पैठ बनाए रखना ही है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान दौर में कांग्रेस खुद दलबदल और सांगठनिक कमजोरी की शिकार रही है। ऐसे में कोई भी क्षेत्रीय दल अपनी आंतरिक बगवत या बाहरी दबाव जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के डर से बचने के लिए कांग्रेस को सुरक्षा कवच नहीं मान सकता।



अंतरराष्ट्रीय योग
दिवस आज

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सड़क हादसे में जख्मी होने
के बाद खुद ठीक हुए, अब
दूसरों को बना रहे निरोग

सेवानिवृत्त शिक्षक छगनलाल सोनवानी योग
गुरु बनकर सिखा रहे तंदरुस्त रहने का मंत्र

किसी के हाथ कांपते थे, कोई दो मिनट भी एक जगह नहीं बैठ पाता था। किसी को चलने-फिरने में कठिनाई थी, तो किसी का शरीर एक बड़े हादसे के बाद जवाब दे चुका था। लेकिन इन लोगों ने अपनी परिस्थितियों के आगे घुटने नहीं टेके। उन्होंने योग को सहारा बनाया और धीरे-धीरे वही शरीर, जो कभी उनकी सबसे बड़ी चुनौती था, उनकी सबसे बड़ी ताकत बन गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रस्तुत हैं ऐसे प्रेरक चेहरे, जिन्होंने ऑटिज्म, दिव्यांगता, बीमारी और शारीरिक सीमाओं को अपनी पहचान नहीं बनने दिया। नियमित योग, प्राणायाम और अदृष्ट संकल्प के बल पर उन्होंने न केवल अपने जीवन को बदला, बल्कि समाज के लिए भी उम्मीद और आत्मविश्वास की मिसाल बन गए। उनकी कहानियाँ बताती हैं कि योग केवल शरीर को साधने का अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन को नई दिशा देने वाली साधना है।

किसी के हाथ कांपते थे, कोई बैठ नहीं पाता था, किसी को बोलने में दिक्कत थी, योग ने हर ली हर दिक्कत

योग की ताकत जताती कहानियां...आटिज्म, दिव्यांगता और बीमारियों को खत्म कर लिया

योग से संवर रही ऑटिज्म बच्चों की जिंदगी, कभी एक जगह बैठना भी था मुश्किल, वे अब कर रहे कपालभाति



ललित राठोड़ ►► रायपुर

रायपुर के सप्रे स्कूल में राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित विशेष विद्यालय में योग की असली ताकत देखने को मिल रही है। यहां ऑटिज्म, एडीएचडी और अन्य अक्षमताओं वाले बच्चे योग के जरिए स्वस्थ जिंदगी गढ़ रहे हैं। जिन स्पेशल बच्चों के लिए कभी अपने शरीर और चंचलता पर नियंत्रण पाना सबसे बड़ी चुनौती थी, आज वे योग के बल ►►शेष पेज 6 पर



विकास शर्मा ►► रायपुर

बड़े सड़क हादसे में गंभीर रूप से जख्मी होने के बाद इलाज के दौरान शिक्षक छगनलाल सोनवानी ने योग को अपनाया। स्वस्थ होने के बाद भोपाल में तीन महीने के प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों से गुरु दक्षिणा के रूप में लिए गए संकल्प को पूरा करने स्वयं योग गुरु बन गए। राज्य में विभिन्न शिविरों के माध्यम से तंदरुस्त रहने का मंत्र लोगों के दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि 1991 में वे बड़े सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें स्वस्थ होने के लिए 2 साल लगे। चोटों को ठीक करने के लिए उन्हें की अस्पतालों के चक्कर लगाने पड़ रहे थे। इस दौरान मेकाहारा के डाक्टर ने उन्हें दवा छोड़कर अपनी समस्या के समाधान के लिए योग करने की सलाह दी थी। वे कमर में पट्टी बांधकर अपनी इयूटी पर जाते थे। इसी दौरान भोपाल में होने वाले शासकीय योग प्रशिक्षण शिविर में जाने का उन्हें मौका मिला। करीब तीन महीने के प्रशिक्षण के बाद शरीर में होने वाले असहनीय पीड़ा से उन्हें मुक्ति मिल गई। शारीरिक समस्याओं से छुटकारा के दौरान योग के प्रति उनका आकर्षण बढ़ चुका था। ►►शेष पेज 6 पर



योग प्राणायाम से बदली
दिव्यांग दम्पति की जिंदगी

राजनांदगांव। नियमित योगाभ्यास और प्राणायाम के माध्यम से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने डोंगरगढ़ निवासी दिव्यांग ऋषि मिश्रा ने आज से लगभग 10-12 वर्ष पहले योग को अपने जीवन में अपनाया शुरू किया। इसके बाद कुछ ही वर्षों में उन्हें बेहतर स्वास्थ्यगत परिणाम मिलने लगे। जिससे उन्होंने योग करना नहीं छोड़ा और आज लोगों को भी योग करने जागरूक कर रहे हैं। लगभग 80 प्रतिशत अस्थि ►►शेष पेज 6 पर

कभी नहीं हुआ
बैक पैर, घुटनों
के दर्द से
भी राहत

गामीन विकास बैंक के सेवानिवृत्त बाबू मैनेजर अनूप सोनी ने बताया कि बढ़ती उम्र के साथ उन्हें बैक पेज और घुटनों में दर्द की समस्या होने लगी थी। इसके लिए उन्होंने विभिन्न पैथी की दवाएं लीं मगर उपादा आराम नहीं मिला। दर्द जीवन का हिस्सा बनने लगा था और दवा खाना नियमित दिव्यार्थ में शामिल हो गया था। उन्होंने बताया कि वे ►►शेष पेज 6 पर



योग से पूरे शरीर में आई नई जान और
अब जी रहे एक बेहतर जिंदगी

कोमा और लकवे को मात
देकर बदली अपनी तकदीर



विनोद नामदेव ►► गंडई पंडरिया

योग की शक्ति और दृढ़ संकल्प का एक अद्भुत उदाहरण गंडई के शुकुमार गेडाम के रूप में सामने आया है। कभी एक कामयाब व्यापारी रहे 53 वर्षीय शुकुमार गेडाम ने योग के सहारे सड़क दुर्घटना से शरीर में आए कोमा और लकवे जैसी गंभीर स्थितियों को परास्त कर एक नया जीवन प्राप्त किया है। वर्ष 2009 शुकुमार गेडाम के जीवन का सबसे कठिन पड़ाव बनकर आया। राजनांदगांव से लौटते समय हुए एक भीषण सड़क हादसे ने उनका जीवन पूरी तरह बदल दिया। इस दुर्घटना के बाद वे सात महीने तक कोमा में रहे और उनकी याददाश्त पूरी तरह चली गई थी। हादसे का प्रभाव इतना गहरा था कि उनके शरीर का दाहिना हिस्सा पूरी तरह लकवाग्रस्त हो गया था। उस समय उनकी स्थिति ऐसी थी कि उन्हें पहचानना तक मुश्किल था। उनका शरीर पूरी तरह जाम हो चुका था, जिसके कारण एक किलोमीटर की दूरी तय करने में उन्हें एक से दो घंटे का समय लग जाता था। ऐसे निराशाजनक समय में संदीप आर्य से उनकी मुलाकात उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। संदीप आर्य ने उन्हें योग के माध्यम से स्वस्थ होने की सलाह दी और उनके मार्गदर्शन में शुकुमार गेडाम ने योग का अभ्यास शुरू किया।

व्हीलचेयर पर बैठकर योग ने दी बुलंद हौसलों की उड़ान

गोरेलाल सिन्हा ►► गरियाबंद

शरीर भले ही साथ न दे लेकिन अगर मन मजबूत हो और हौसले बुलंद हों तो कोई भी बाधा मजिल तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। इसका जीवंत उदाहरण हैं फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम बोरसी की कल्पना भोसले जो दोनों पैरों से 80 प्रतिशत अस्थिबाधित दिव्यांग होने के बावजूद आज आत्मनिर्भरता शिक्षा और योग के माध्यम से समाज में नई मिसाल कायम कर रही हैं।



मिट्टी से उठकर हजारों बच्चों के
प्रेरणास्रोत बने संजय बंजारे

हेमेश चेरियन ►► संडी बंगला

सफलता केवल संसाधनों की मोहताज नहीं होती, बल्कि वह व्यक्ति के संकल्प, मेहनत और संघर्ष से तय होती है। बलौदाबाजार जिले के पलारी विकासखंड अंतर्गत ग्राम बलौदी निवासी योग एवं मार्शल आर्ट प्रशिक्षक संजय बंजारे की कहानी इसी सत्य का उदाहरण है। आर्थिक अभावों और कठिन परिस्थितियों में पले-बढ़े संजय आज जिले के हजारों बच्चों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं और योग व आत्मरक्षा प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक सम्मानित पहचान स्थापित कर चुके हैं। 10 मई 1996 को जन्मे संजय बंजारे के पिता दुलरवा बंजारे और माता बुगाला बंजारे दिहाड़ी मजदूर थे। परिवार की आजीविका ईंट-भट्ठों और मजदूरी पर निर्भर थी। सीमित संसाधनों ►►शेष पेज 6 पर

योग को अपनाकर बीपी
और थुगर को दी मात



चैतेन्द तिवारी ►► छैरागढ़

कोरोना काल के दौरान एक ओर जहाँ लोग अंग्रेजी दवाइयों के भरोसे जीवन की डोर थामे हुए थे वहीं दूसरी ओर महज 38 साल की उम्र में उच्च रक्तचाप और शर्करा गंधीर समस्या से पीड़ित अमलीपारा निवासी कमलेश रंगलानी ने अंग्रेजी दवाइयों से किनारा कर योग का रास्ता अपनाया। पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से योग सीखकर लौटे गौतम सोनी से उनका संपर्क हुआ। उनके साथ पहले ध्यान, प्राणायाम और सामान्य योग आसन की मुद्राएं सीखने के बाद उसे अपनी ►►शेष पेज 6 पर

50 हजार से अधिक लोगों को
सिखा चुके हैं लेखू बाबा

महेश मिश्रा ►► कवर्धा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कबीरधाम जिले के उन लोगों की चर्चा स्वाभाविक है जिन्होंने योग को केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित न रखकर समाज के स्वास्थ्य अभियान का माध्यम बनाया। ऐसे ही योग साधकों में योगाचार्य लेखराम चंद्रवंशी, जिन्हें लोग स्नेहपूर्वक "लेखू बाबा" के नाम से जानते हैं, प्रमुख हैं। पिछले डेढ़ दशक से वे जिले सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में निःशुल्क योग प्रशिक्षण देकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पंडरिया विकासखंड के ग्राम सोढ़ा में किसान परिवार में जन्मे लेखराम चंद्रवंशी ने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की। वर्ष 2000 में उच्च शिक्षा के लिए कवर्धा आए। कॉलेज अध्ययन के दौरान ►►शेष पेज 6 पर

दिव्यांग तोरण ने साबित किया...हौसलों
के आगे शारीरिक बाधा भी हार जाती है



रत्नेश सोनी ►► महासमुंद

दिव्यांगता को अपनी कमजोरी की बजाय ताकत बनाकर योग के क्षेत्र में उपलब्धि अर्जित करने वाले तोरण यादव आज लोदगाँ के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम खट्टी के निवासी तोरण जन्म से अस्थिबाधित है। जिसने अपनी मेहनत और लगन से राष्ट्रीय हरी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई है। जिले के एक साधारण परिवार से आने वाले तोरण यादव पिता डेहरा यादव को बचपन से ही शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

ऑनलाइन योग अभ्यास सत्र के माध्यम
से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास

राज्यपाल रायपुर और सीएम
सरगुजा में करेंगे योग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर भव्य आयोजन किया गया। योग दिवस की थीम "स्वस्थ आयु के लिए योग" है। राज्यपाल रमन डेका के मुख्य आतिथ्य में 21 जून को राजधानी रायपुर में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मुख्य आतिथ्य में अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में राज्य



स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। छत्तीसगढ़ में जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद एवं विधायक मुख्य अतिथि होंगे। भारत सरकार के आर्युष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य के सभी जिलों व राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रमुख स्थलों पर अनिवार्य रूप से योगाभ्यास आयोजित किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, भारत सरकार द्वारा इस बार व्यापक जनभागीदारी के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में 14 जून से सुबह 6.15 बजे से 7.35 बजे तक ऑनलाइन योग अभ्यास सत्र के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जा ►►शेष पेज 6 पर

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का
सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY **airtel**
चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

निष्क्रिय वॉलेट शुल्क का बैंक खाते, यूपीआई पर असर नहीं नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान मंच फोनपे ने स्पष्ट किया है कि निष्क्रिय पड़े वॉलेट पर लगने वाले 'इनएक्टिविटी शुल्क' का उपभोक्ताओं के लिंक किए गए बैंक खातों या यूपीआई लेनदेन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने यह स्पष्टीकरण कुछ ग्राहकों को भेजी गई सूचनाओं के बाद जारी किया। जिनसे डिजिटल वॉलेट और यूपीआई के संचालन को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। यह शुल्क केवल फोनपे वॉलेट पर लागू होता है, जो एक प्रीपेड भुगतान साधन (पीपीआई) है। इसका संबंध यूपीआई भुगतान से नहीं है, जहां राशि सीधे उपयोगकर्ता के बैंक खाते से कटती है।



बताया गया है कि सभी जिलाध्यक्षों को दस दिन तक यहां प्रशिक्षण दिया जाएगा। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी रविवार को दोपहर 2.45 बजे पहुंचकर सभी जिलाध्यक्षों को संबोधित करेंगे। वे यहां पर तीन घंटे जिलाध्यक्षों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। जिला अध्यक्षों को संगठन को मजबूत बनाने का मंत्र देंगे। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्षों का 10 दिवसीय ►►शेष पेज 6 पर

राहुल आरंगे, जिलाध्यक्षों को देंगे मंत्र

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस द्वारा संगठन सुजन अभियान के तहत नियुक्त 41 जिला कांग्रेस अध्यक्षों की ट्रेनिंग शिविर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जिलाध्यक्षों को प्रशिक्षण देने 24 एआईसीसी के पदाधिकारी यहां पहुंच चुके हैं। अभनपुर के निजी रिसार्ट में आ यो जि त प्र शि क्ष ण शिविर में कुल 80 लोग मौजूद रहेंगे।

सचिन पायलट सहित एआईसीसी के 24 पदाधिकारी पहुंचे



राहुल 3 घंटे करेंगे चर्चा

एआईसीसी से जारी शेड्यूल के अनुसार राहुल गांधी 21 जून को दोपहर दो बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। 2.45 बजे सड़क मार्ग से सीधे अमनपुर स्थित प्रशिक्षण स्थल के लिए रवाना होंगे। शाम 5.30 बजे तक जिला अध्यक्षों को संगठन, पॉलिटिक्स और सामाजिक-राजनैतिक एक्टिविटी पर ट्रेनिंग देंगे। वे यहां पर पदाधिकारियों से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। वे 6-40 बजे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

इन विषयों पर प्रशिक्षण

प्रशिक्षण को अनुशासन और नेतृत्व विकास से जोड़ते हुए इसकी शुरुआत झंडाबंदन किया जाएगा, प्रतिभागियों को योग, व्यक्तिगत विकास से जुड़े सत्रों में भी शामिल होंगे। प्रशिक्षण के दौरान विषय विशेषज्ञ संगठन प्रबंधन, जनसंपर्क, मीडिया हैंडलिंग और राजनीतिक रणनीति पर प्रशिक्षण देंगे। शिविर में हर जिले की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की मजबूती-कमजोरी, आगामी चुनावी चुनौतियों और स्थानीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

प्रदेश से जुड़े मुद्दों पर होगी बात : पायलट

रायपुर में जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण को लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बताया कि हर राज्य में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम किए जा रहे हैं और इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी प्रशिक्षण शिविर लगाया गया है।

योग से जीती जिंदगी की जंग: दिव्यांग शिक्षक बने सैकड़ों बच्चों के लिए प्रेरणा

प्रतीक मिश्रा ►► रायगढ़

जिस दिव्यांगता को लोग अक्सर कमजोरी समझ कर बैठ जाते हैं, उसी को ग्राम पंचायत धनाग्र में पदस्थ शिक्षक अंजय कुमार सूर्यवंशी ने अपनी ताकत बना लिया। पिछले 15 वर्षों से योग साधना और नियमित व्यायाम के जरिए वे न केवल खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बना रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन में भी स्वास्थ्य और सकारात्मकता के संस्कार बो रहे हैं।

योग दिवस पर उनकी कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि शरीर की सीमाएं इसान लेने की मानसिकता। अंजय कहते हैं कि शारीरिक कमजोरी व्यक्ति को नहीं रोकती, हार मान लेने की सोच रोकती है, इसलिए सबसे पहले अपनी सोच में दृढ़ता लाना जरूरी है। इसी सोच को अपने जीवन में उतारकर बच्चों और अन्य लोगों के लिए एक मिसाल बने दिव्यांग शिक्षक अंजय कुमार सूर्यवंशी बीते करीब 15 वर्षों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर न केवल खुद को शारीरिक और मानसिक ►►शेष पेज 6 पर



बच्चों को भी सिखा रहे स्वस्थ जीवन का पाठ

एक शिक्षक के रूप में अंजय केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। वे अपने विद्यार्थियों में सप्ताह में एक दिन बच्चों को योग कराते हैं और उन्हें इसके महत्व के बारे में बताते हैं। योग सत्र के दौरान वे विद्यार्थियों को बताते हैं कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मन को शांत, एकाग्र और सकारात्मक बनाने का सबसे प्रभावी उपाय भी है। उनके मार्गदर्शन में कई बच्चे नियमित योग की आदत अपना चुके हैं। आज अंजय कुमार सूर्यवंशी के संघर्ष, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच ऐसे लोगों के लिए एक मिसाल बन रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर मचा हुआ है देशभर में बवाल

चंपत राय, गोपाल और ट्रस्टी डॉ. अनिल पर होगा 'एक्शन', हटाए जाएंगे पद से!

एजेंसी ►► अयोध्या

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने राममंदिर के चढ़ावे में 5-7 करोड़ रुपए चोरी का दावा किया था। इस खुलासे से बवाल मच गया था। हालांकि चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है। लेकिन विवाद बढ़ने पर पीएमओ ने दखल देते हुए रिपोर्ट मांगी थी। योगी सरकार ने भी एसआईटी गठित कर दी थी।

शनिवार को छठे दिन भी एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंची और संदिग्धों से पूछताछ की। जिन लोगों से एसआईटी पूछताछ कर चुकी है, उन्हें अगले आदेश तक कहीं बाहर न जाने की चेतावनी दी गई है। माना जा रहा है कि सोमवार को सीएम योगी को जांच रिपोर्ट सौंपी जाएगी। आपको बता दें, एसआईटी टीम चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से अलग-अलग पूछताछ कर चुकी है, साथ ही एसबीआई के मैनेजर और कैशियर से भी कई सवाल किए गए हैं। एसआईटी गोपाल राव के भतीजे और राम मंदिर कर्मचारी सोमेश आनंद से भी पूछताछ करना चाहती थी, लेकिन वे नहीं मिले। सूत्रों के अनुसार, उनका फोन स्विच ऑफ बता रहा है।

हिंदुओं की भावनाओं से जुड़े राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में देशभर की नजर लगी हुई है। इस मामले में एसआईटी की गहन जांच जारी है। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में 150 संदिग्धों के नाम सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा, मंदिर के निर्माण प्रमारी गोपाल राव पर एक्शन तय है, दोनों को पद से हटाया जा सकता है। इनके अलावा कम-से-कम 25 लोगों पर भी कार्रवाई होगी।

एसआईटी ने शनिवार को भी की गहन पूछताछ, योगी को सोमवार को सौंपेगी रिपोर्ट



चंपत राय



गोपाल राव



अनिल मिश्रा

अब तक 2 करोड़ की बरामदगी: चढ़ावा चोरी मामले में 5 लोगों लवकुश, अवनीश, अनुकल्प, करुण और रामशंकर उर्फ टिब्बू की मिशनदेही पर अब तक 2 करोड़ रुपए की रिकवरी की गई है। ये सभी मंदिर में दान राशि की गिनती की झूठी से जुड़े थे। मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी टिब्बू के घर से 13 जून को सोना मिला था।

भाजपा नेता ने भी की थी सीबीआई जांच की मांग

विवाद बढ़ा तो भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने 9 जून को प्रधानमंत्री को लेटर लिखकर सीबीआई जांच की मांग की। अगले दिन यानी 10 जून को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंदिर ट्रस्ट से मामले की रिपोर्ट मांग ली थी।

सपा प्रमुख अखिलेश ने किया था चोरी का खुलासा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए।

60 किलो चांदी की शिलाएं और हार भी रिकॉर्ड से गायब

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दौरान रामलला को गेट की गई मंदिर की नींव में रखे जाने के लिए दी गई चांदी की शिलाएं जांच की बड़ी पहली बन गई हैं। इसके अलावा जौनपुर के विश्वकर्मा परिवार की तरफ से दिए गए हार का भी रिकॉर्ड नहीं मिल पा रहा है। इस मामले में एसआईटी जांच जारी है। जांच के 6 दिन एसआईटी ने इन चढ़ावों का रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति जानने की कोशिश की, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा राम मंदिर की नींव में रखने के लिए दी गई 60 किलो चांदी की शिलाओं का भी कोई ठोस रिकॉर्ड जांच टीम को नहीं मिला है।

इजरायल ने 8 घंटे में ही सीजफायर तोड़ा, लेबनान पर फिर किया अटैक

एजेंसी ►► तेल अवीव

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच हुए सीजफायर को अभी कुछ ही घंटे बीते थे कि दक्षिणी लेबनान एक बार फिर धमाकों से दहल उठा। इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई और ड्रोन हमले किए। इन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हमले से एक बार फिर दोनों देशों में हुआ शांति समझौता खतरे में नजर आ रहा है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इजरायली



युद्धपोतों और ड्रोनों ने नबातियेह क्षेत्र में रातभर भीषण हमले किए। इन हवाई हमलों में कई आवासीय इमारतें और घर पूरी तरह तबाह हो गए। इतना ही नहीं, तड़के सुबह होने से पहले नबातियेह और उसके आस-पास के इलाकों को निशाना बनाकर भारी तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। ये हमला ठीक उस समय हुआ, जब कुछ ही घंटों पहले इजरायल और ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह गेट के बीच सीमा पार जारी लड़ाई को रोकने पर सहमति बनी थी।



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री

श्री अनुराग सिंह देव
माननीय अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मण्डल

श्री ओ.पी. चौधरी
माननीय मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर,
योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग



छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल

www.cghb.gov.in

राज्य स्तरीय आवास मेला (4 दिवसीय)

दिनांक 23 नवम्बर से 26 नवम्बर 2025 एवं उसके पश्चात 31 दिसम्बर 2025 तक

मण्डल से भवन क्रय करने वाले आबंटियों हेतु घोषित



बम्पर उपहार हेतु लकी ड्रॉ का आयोजन



दिनांक 22 जून 2026, सोमवार को किया जा रहा है।



समय :- दोपहर 03:00 बजे
स्थान :- मुख्यालय, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
पर्यावास भवन, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर



SCAN THIS CODE
FOR LOCATION

बम्पर उपहार*



प्रथम पुरस्कार
Swift Car



द्वितीय पुरस्कार
Honda Shine



तृतीय पुरस्कार
Honda Activa

अन्य पुरस्कार
टी.वी., फ्रिज, वाशिंग मशीन



हितग्राही बम्पर उपहार के लकी ड्रॉ में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित हैं।

टोल फ्री नंबर 1800 121 6313

अधिक जानकारी के लिए विजिट करें :- www.cghb.gov.in



सबके लिए
आवास

सबके घर की आस, सबके लिए आवास, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल पर सबका विरवास

follow us on : [Facebook](#) [Instagram](#) [Twitter](#)



अधिक जानकारी के
लिये स्कैन करें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2026

योग: कर्मसु कौशलम्

योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है और हमें प्रकृति के करीब लाता है

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

स्वस्थ आयु के लिए योग
#IDY2026

Visit us : [Facebook](#) [Instagram](#) [Twitter](#) /ChhattisgarhCMO [Facebook](#) [Instagram](#) [Twitter](#) /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना

सच्ची सहेली

आयुर्वेदिक टॉनिक और टेबलेट्स
कठिन समस्याओं में अति सहायक है।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



आयुर्वेदिक औषधीय टॉनिक

विशेष समस्याओं के लिए

भरोसेमंद टॉनिक

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



Clinically Tested

दुनिया का सबसे छोटा पार्क आकार एक मीटर से भी कम
नैरोबी। आपने अपने जीवन में कई खूबसूरत पार्क की सैर की होगी, जो हरे-भरे पेड़ों और पौधों से भरे होते हैं। आम तौर पर पार्क 4,000 से 40,000 वर्ग मीटर तक फैले होते हैं। हालांकि, क्या हो अगर हम आप से कहें कि दुनिया में एक वर्ग मीटर से भी छोटा पार्क मौजूद है? दरअसल, जापान में दुनिया का सबसे गिनीज बुक में भी शामिल हो गया है। दो ए-3 कागज जितना है इस पार्क का आकार : यह अनाखा पार्क शिजुओका के नागाइजुमी टाउन में स्थित है, जो टोक्यो से महज 1 घंटा दूर है। जब आप इस जगह की सैर पर निकलेंगे तो आपको सड़क के किनारे एक छोटी-सी वस्तु दिखाई देगी।

THE BEST TREATMENT FOR KIDNEY STONES WITH LITHOTRIPSY

- No incisions
- No pain
- No bleeding
- No hospital stay

Get back to your normal life
Get the best treatment for kidney stones

 (NABH से मान्यता प्राप्त)
सुरेश हॉस्पिटल

24 Hours Helpline
9926386660

कोटा-गुदियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

Ajay 9827144371

प्रतापपुर (हरिभूमि न्यूज)। बीती रात खजुरी-शिवपुर रोड पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीन युवकों रूपचंद पैकरा, रवि पैकरा और ओमप्रकाश पैकरा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अरमान पैकरा गंभीर रूप से घायल हो गया। एक ही बाइक पर सवार होकर चारों युवक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। एक साथ तीन युवकों की मौत के बाद लोगों का आक्रोश भड़क उठा।

आक्रोशित लोगों ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इस दौरान ट्रक चालक और क्लीनर ने भागकर अपनी जान बचाई। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मामले में पुलिस द्वारा मार्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है इसके साथ ही घटना की जांच चल रही है। शनिवार की सुबह तीनों युवकों के शव पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किए गए। मामले में पुलिस द्वारा वाहनों को जब्त कर घटना की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि थाना अंतर्गत ग्राम बैकोना निवासी रूपचंद पैकरा (18 वर्ष), रवि पैकरा (16 वर्ष), ओमप्रकाश पैकरा (15 वर्ष) व

आक्रोशित मीड ने ट्रक को लगाई आग

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, तीन युवकों की मौत

अरमान पैकरा (17 वर्ष) एक बाइक पर सवार होकर शुक्रवार की रात अपने गृह ग्राम से ग्राम खजुरी में आयुजित शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस दौरान रात लगभग 10-11 बजे के बीच जैसे ही वे ग्राम पंचायत रामपुर मुख्य मार्ग पर पहुंचे सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े मक्का लोड ट्रक से बाइक सवार युवकों की टक्कर हो गई। युवकों के बाइक की रफ्तार अधिक थी और टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन युवकों रूपचंद पैकरा, रवि पैकरा और ओमप्रकाश पैकरा की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अरमान पैकरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक तीन युवकों ने दम तोड़ दिया था। घटना में घायल अरमान पैकरा को उपचार के लिए तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया गया जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर कर दिया गया। शादी समारोह में निकले एक ही गांव के तीन युवकों की मौत के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल निर्मित हो गया। शनिवार की सुबह तीनों युवकों के शव पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किए गए।

PRP/GFC तकनीक द्वारा गंजेपन का ईलाज



कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कर्तार माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. रासन से मान्यता प्राप्त

Ajay Advt.

युवती से रेप, 12 वर्ष कैद
रायपुर। काम की तलाश में आई मध्यप्रदेश की युवती के साथ रेप के आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश गिरीश कुमार मंडावी की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 12 वर्ष कैद के साथ पांच सौ रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक मोनिष बोस के अनुसार, कोर्ट ने आरोपी शुक्ला को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। युवती 23 जून 2024 को काम की तलाश में रायपुर आई आई थी।



LFD Wälzlager GmbH



GERMAN GUJARAT BEARING
Exclusive Channel Partner for India



LOOKING FOR DISTRIBUTORS IN CHHATTISGARH

LFD GERMANY, A Globally Recognized Manufacturer Of PREMIUM INDUSTRIAL BEARINGS is Expanding Its Network ACROSS CHHATTISGARH

WE INVITE :

- Bearing Distributors
- Industrial Suppliers
- Trading Companies
- Entrepreneurs

WHY PARTNER WITH LFD?

- German Engineering
- Premium Quality Products
- Attractive Business Margins
- Wide Product Range
- Long Term Growth Opportunity

To become part of a fast growing and trusted global brand

CALL NOW FOR DISTRIBUTORSHIP **+91 99131 67993**
+91 72030 28126

Website www.lfd.eu

टेलर स्विफ्ट ने जिस कुर्सी पर बैठकर देखा मैच, उसकी लाखों में हो रही नीलामी

न्यूयार्क। टेलर स्विफ्ट एक अमेरिकी गायिका हैं, जो किसी भी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उनके प्रशंसक पूरी दुनिया में फैले हुए हैं, जो उनकी एक झलक के लिए करोड़ों खर्च करने से भी नहीं कतराते हैं। ऐसे में उनसे जुड़ी वस्तुओं का करोड़ों में बिकना हैरानी ही बात नहीं। इसी कड़ी में एक कुर्सी की नीलामी की घोषणा की गई है। यह कुर्सी करोड़ों में बिक सकती है, सिर्फ इसलिए क्योंकि इस पर बैठकर स्विफ्ट ने बास्केटबॉल मैच देखा था।

क्या है इस कुर्सी की खासियत ?
क्लीवलैंड कैवेलियर्स और न्यूयॉर्क निक्स के बीच हुई एन.एफ.सी सीरीज के तीसरे मैच के दौरान स्विफ्ट नीलाम होने वाली कोर्टसाइड कुर्सी पर बैठी थीं। नीलामी का आयोजन खुद क्लीवलैंड कैवेलियर्स की अनुमति से 'द रिजलिस्ट' ने करवाया है और इसकी आधिकारिक घोषणा 7 जून, 2026 को की गई थी। इतने कम समय में ही इसकी बोली 4.76 लाख रुपये जा पहुंची है।

संजीवनी सुपरस्पेशलटी हॉस्पिटल

मिनिमल इनवेसिव, लैप्रोस्कोपिक व रोबोटिक कैंसर सर्जरी हेतु कुशल टीम



डॉ. युसूफ मेनन
डायरेक्टर, कैंसर सर्जन, MS, FSG, FIAGES, FMAS



डॉ. अर्पण चतुर्वेदी
MS, MCh, FIAGES HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, कैंसर सर्जन



डॉ. विवेक पटेल
MBBS, MS, MCh कैंसर सर्जन



डॉ. कल्याण पंडेय
MBBS, MS, MCh, कैंसर सर्जन



डॉ. विकास अग्रवाल
MBBS, DNB, PDF, FMAS, FISCOP, MNAMS, कैंसर सर्जन



डॉ. गनेश्याम हट्टार
MBBS, MS, MCh मूत्र रोग एवं पुरुष रोग विशेषज्ञ

दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, छ.ग., +91 7389905010, 04010



Hero

1st Hero WORLD'S NUMBER
MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY
FOR 25 YEARS IN A ROW

फ्यूचर लव्स GLAMOUR X

भारत की सबसे फ्यूचरिस्टिक 125cc





कूज़ कंट्रोल

एक्स-शोरूम कीमत#
₹89,611

HERO'S FIRST 5 YEAR WARRANTY
Conditions apply

Hero GoodLife

पाएं जीतने का मौका

चौदी का सिकका* और कई अन्य सुविधित लाभ*

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000* तक

HDFC BANK | SBI card

क्रेडिट कार्ड

Powered by **pine labs**

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. World's no 1 disclaimer - Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2025 Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market(CY25). Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. Available at selectdealerships. *Limited period offer, T&C Apply. *Ex-showroom price of Glamour X Dnm variant in Chhattisgarh. *T&C Apply.

TOLL FREE NO. 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: बिलासपुर: सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुर: आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबा: शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़: गौयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीर: आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुर: आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुर: आकाश हीरो, 9289922909, एमोशिफ्ट डीलर: खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौरा: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरिया: अग्रवाल ऑटो सेंटर, 9993121909, गौरेला: श्री मॉन नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796811, सनावल: सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुर: मॉ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदा: श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाही: दाहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुंगेली: महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़: विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोरा: श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवडीनारायण: सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्ती: गौयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसिया: विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुर: श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांव: ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़: गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरनपुर: आशा ऑटोमोबाइल्स, 9826440098, अकलतरा: श्री ऑटो, 9424174274, कोटा: उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/871888789, रामानुजगंज: प्रीति ऑटोमोबाइल्स, 8827674000, बादरद्वार: दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुर: बंसत ऑटोमोबाइल्स, 9406022927, तपकरा: प्रीति ऑटोमोबाइल्स, 7354343545/7999851514, प्रतापपुर: तायल ऑटोमोबाइल्स, 9617128005, पटना: आयुध ऑटोमोबाइल्स, 8839141926, पाली: आनंद ऑटोमोबाइल्स, 7089519999, राजनपुर: महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, नदनपुर: ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपत: मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापाली: साहू ऑटोमोबाइल्स, 7746028455, लखनपुर: पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली: इक्का ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमी: बोल्लम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुर: सुश्री ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांव: ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर: जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगी: नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथान: आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगर: मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमी: महेश मोटर्स, 7974700929, झैरागढ़: पुष्पक बिस्मि, 9425554343, भानपुरी: अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉप: अंबिकापुर: आनंद ऑटोमोबाइल्स, देवीगंज, 771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: ऑरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कशॉप: उरगा: बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 911107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पा: आनंद हीरो, 7909901444, कोरबा: शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुर: सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांव: बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415

हरिभूमि कम्यूनिक्शन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रिन्क सिंह पौराह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन, रिंग रोड नं. 2, गौरवध, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव धय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रकाशक संपर्क: डॉ. हर्षिता देवी, स्थानीय संपर्क: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com